# आकाशवाणी, गोरखपुर

**दिनांक–07 जुलाई 2025** **सान्ध्य समाचार**

प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास और पुष्टाहार मंत्री बेबीरानी मौर्य ने आज लखनऊ में बाल कुपोषण के विरूद्ध चलाये जा रहे राज्यव्यापी **सम्भव अभियान** के पांचवें संस्करण की शुरूआत की। अभियान के शुरूआत करने के बाद बाल विकास मंत्री ने बताया कि अभियान का उद्देश्य प्रदेश के कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों का पोषण कर के उन्हें मुख्यधारा में लाना है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र पर आने वाले बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण करना और उनकी पढ़ाई पर ध्यान देना अभियान का लक्ष्य है।

***ये संभव अभियान बाल विकास पुष्टाहार विभाग और महिला कल्याण विभाग दोनो मिलके हम बच्चों के लिए करते हैं। ये तीन महीने चलता है। आज इसका शुभारंभ हुआ है और सितंबर के आखिरी में हम अंत करेंगे। ये अभियान हम इस लिए चलाते हैं कि हमारे उत्तर प्रदेश में जितने भी कुपोषित बच्चे हैं, अतिकुपोषित बच्चे है उनकों हम कैसे ठीक करे, कैसे मेन स्ट्रीम में लाए और जो आंगनवाड़ी केन्द्रो पर जो बच्चे आ रहे हैं, जा रहे हैं हमारे उनकी पढ़ाई उनके स्वास्थ्य की और उनको सही भोजन मिल रहा है कि नही जिससे उनका विकास अच्छी तरह हो सके। इसलिए यह अभियान हर साल चलाया जाता है।***

सम्भव अभियान की शुरूआत वर्ष दो हजार इक्कीस में हुयी थी। अब तक अभियान के चार संस्करण संचालित हो चुके हैं।

**********

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश में मक्का की खेती को बढ़ावा देने के लिए बहु–हितधारक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के वैज्ञानिकों, किसानों, कृषि विश्वविद्यालयों और उद्योगों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा है कि मक्का का उत्पादन और बढ़ाने की आवश्यकता है।

***बंगाल में बिहार में प्रोडक्टिविटी एवरेज से ज्यादा है। ओवरऑल अभी और बढ़ाने की जरूरत है। हमको आईसीआर को धन्यवाद भी देना चाहिए कि मक्का की 265 अलग–अलग वैरायटी विकसित की है और उनमें से 77 हाइब्रिड किस्में भी है। जिसमें स्पेसलिटि कार्न भी शामिल हैं। लगभग 35 फार्टिफाइड भी है।***

**********

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति के अध्ययन भ्रमण के क्रम में आज वाराणसी के सर्किट हाउस सभागार में समिति की एक बैठक आयोजित हुयी। डॉक्टर जयपाल सिंह की अध्यक्षता में हुयी बैठक में समिति ने सत्रह विभिन्न मुद्दों पर वाराणसी मण्डल के अधिकारियों से जानकारी ली और इस सम्बन्ध में दिशा–निर्देश दिये। समिति द्वारा पीडब्ल्यूडी, समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन कल्याण विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित कई अन्य विभागों से विभिन्न मुद्दों पर सूचनायें मांगी गयी थी। बैठक में वाराणसी मण्डल के सभी जिलों के जिलाधिकारी और अन्य प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

**********

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में नये शैक्षणिक सत्र दो हजार पचीस–छब्बीस का आज से शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रूद्राभिषेक किया गया।

**********

यूपी पॉवर कार्पोरेशन ने कामर्शियल कार्यों को सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने के लिए कामर्शियल ऐप लांच किया है। इससे मीटर रिप्लेसमेंट आवेदन और केवाईसी से संबंधित सभी कार्य किये जा सकेंगे। ऐप के माध्यम से ऑनलाइन मीटर को ट्रैक भी किया जा सकता है।

**********

डॉक्टर शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ की छात्रा स्वाति और कनक सिंह ने युगाण्डा पैरा बैडमिंटन इण्टरनेशनल टूनामेंट में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किया है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने दोनों छात्राओं को बधाई और शुभकामनां देते हुए कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिये किया जा रहा प्रयास साकार रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि इन बेटियों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि यदि अवसर, संसाधन और सम्बल मिले तो शारीरिक सीमा सफलता में बाधा नहीं बन सकती।

**********

प्रदेश के लगभग सभी पूर्वी जिलों में छिटपुट बादलों के बीच तेज धूप निकल रही है। इसके चलते तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। वातावरण में मौजूद नमी और धूप के मेल से उमस बढ़ गयी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन तक यही स्थिति बनी रहेगी। उसके बाद वर्षा की वायुमण्डलीय परिस्थितियां बनेगी, जिसके परिणामस्वरूप कई स्थानों पर गरज–चमक के साथ वर्षा की शुरूआत होगी। वर्षा का यह क्रम इसके बाद तीन से चार दिन तक रूक–रूक कर जारी रहेगा। उधर, मानसूनी बारिश के कारण प्रदेश के कुछ जिलों में नदियों का जल स्तर भी बढ़ गया है। अयोध्या में सरयू नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। वहां सरयू नदी खतरे के निशान से लगभग चौबीस सेंटीमीटर ऊपर बह रही है।

**********